नेपाल की सीमा पर चार गांवों में बनेंगी सड़कें

वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत सीमावर्ती गांवों के विकास की तैयार हुई रूपरेखा

जितेंद्र दीक्षित

श्रावस्ती। केंद्र सरकार की ओर से सीमावर्ती गांवों के सर्वांगीण विकास व बॉर्डर पर सुरक्षा पुख्ता करने के लिए वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम की शुरुआत की गई है। इसके तहत जिले के 34 सीमावर्ती गांवों का चयन कर वहां मूलभूत सुविधाएं बढ़ाने की कवायद शुरू की गई है। बॉर्डर के चार गांवों को सड़क, तीन को 4-जी नेटवर्क और तीन को टेलीविजन कनेक्टिविटी से जोड़ने की रूपरेखा तैयार की गई है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्राथमिकता में शामिल वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम को लेकर जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। जिला प्रशासन की ओर से वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के चार बिंदुओं ऑल वेदर रोड कनेक्टिविटी, 4-जी नेटवर्क कनेक्टिविटी, टेलीविजन कनेक्टिविटी और इलेक्ट्रिक कनेक्टिविटी को लेकर चयनित सभी 34 गांवों का सर्वे करवाया गया है।

सर्वे में चार गांव ऐसे मिले हैं, जहां रोड कनेक्टिविटी नहीं है। हरिहरपुर रानी विकासखंड का ककरदरी गांव जंगल के चलते इससे अछूता है। सिरसिया का सुहेलवा गांव और जमुनहा के रामपुर व

भारत-नेपाल सीमा पर पूछताछ करते डीएम व एसपी। (फाइल फोटो)

■ **तीन गांव 4-जी, तो तीन टेलीविजन से अछूते :** वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत हुए सर्वे में हरिहरपुर रानी विकासखंड का असनहरिया व तुरूसमा गांव और सिरसिया का सुहेलवा गांव 4-जी नेटवर्क कनेक्टिविटी से अछूता मिला है। जमुनहा विकासखंड का गंगाभागर, गुमना व शिवपुर भागर गांव टेलीविजन कनेक्टिविटी से अछूते मिले हैं। जिला प्रशासन की ओर से इन सभी को 4-जी व टेलीविजन कनेक्टिविटी से जोड़ने की कवायद शुरू की गई है। वाइब्रेंट विलेज ग्राम के तहत चयनित सभी 34 गांव विद्युतीकृत मिले हैं।

> वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम केंद्र सरकार का महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। विकास संबंधी इसके सभी मानकों व सुरक्षा उपायों को चयनित गांवों में करवाकर सीमा सुरक्षा को और सुदृढ़ किया जाएगा। **-अजय कुमार द्विवेदी,** डीएम

सुहेलवा गांव और जमुनहा के रामपुर व क्षतिग्रसत मिली है। (संवाद)